

दुनिया में झूठ अनेकों है पर जटा जुट सम जुट नहीं



दुनिया में झूठ अनेकों है,

दोहा – राम राम भजवू करो,
धरे रहो मन धीर,
कारज तेरे सुधार है,
कृपा सिंध रघुवीर।
स्वांस स्वांस में हरी भजो,
वृथा स्वांस मत खोय,
ना जाने क्या स्वांस का,
आवण होय या न होय।
चित्रकूट की राम रज,
परिक्रमा की धूल,
ओलो ओलो परत शरीर पे,
पाप होय सब दूर।

दुनिया में झूठ अनेकों है,
पर जटा जुट सम जुट नहीं,
दुनिया में लूट अनेकों है,
पर रामनाम सम लूट नहीं।bd।

दुनिया में फुट अनेकों है,
पर भाई भाई सम फुट नहीं,
दुनिया में झूठ अनेको है,
पर जटा जुट सम जुट नहीं।bd।

दुनिया में कूट अनेको है,
पर चित्रकूट सम कूट नहीं,
दुनिया में झूठ अनेको है,
पर जटा जुट सम जुट नहीं।bd।

दुनिया में जुट अनेकों है,
पर जटा जुट सम जुट नहीं,
दुनिया में लूट अनेकों है,
पर रामनाम सम लूट नहीं।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



प्रेषक – रामस्वरूप लववंशी
8107512367

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>